हरिभूमि
सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, मंगलवार 14 जुलाई 2026

06 मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियां तेज कलेक्टर...

09 थाने से 5 किमी दूर बदमाशों ने ग्रामीणों को बंधक...

खबर संक्षेप

शोधार्थी अजय विश्वकर्मा का पीजीटी व्याख्याता परीक्षा 2026 में हुआ चयन

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग के शोधार्थी अजय कुमार विश्वकर्मा ने उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग पीजीटी व्याख्याता परीक्षा-2026 में छठा स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय और विभाग का गौरव बढ़ाया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वाई. एस. ठाकुर ने चयनित शोधार्थी को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समाजशास्त्र विभाग अध्यक्ष प्रो. कालीनाथ झा ने इसे विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि मानते हुए शोधार्थी अजय को शुभकामनाएं देते हुए दुष्यंत कुमार की प्रसिद्ध पंक्तियां उद्धृत की कौन कहता है आसमान में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो । साथ ही उन्होंने कहा कि अजय की उपलब्धि विभाग के भावी शोधार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। अजय विश्वकर्मा वर्तमान में थारू जनजातीय समुदाय पर शोध कार्य कर रहे हैं। इससे पहले भी वे राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की चयन प्रक्रियाओं में साक्षात्कार तक पहुंच चुके हैं। अजय कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों के मार्गदर्शन और मित्रों के सहयोग को दिया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के आशु अहिरवार, भूगोल विभाग के मनीष गुप्ता, शिक्षा विभाग के शशांक नागदेव सहित पूजा लोधी, नेहा मालवीय, राकेश गोयल ने अजय कुमार को बधाई एवं शुभकामानाएं दी ।

पांच आदतन अपराधियों को 6 से 11 माह के लिए किया गया जिला बदर

सागर। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर ने आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने को दृष्टिगत रखते हुए पांच आदतन अपराधियों को 6 से 11 माह तक के लिये जिला बदर करने का आदेश दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है। कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर विभिन्न आपराधिक गतिविधियां में लिप्त छोटू उर्फ सुदामा पिता भिम्मू उर्फ खेमचंद यादव उम्र 23 साल निवासी ग्राम मझगुंवा थाना गढ़ाकोटा को 6 माह, हेमंत पिता बबलू अहिरवार उम्र 24 साल निवासी ग्यादीन तिगड्डा विवेकानंद वार्ड थाना मोतीनगर को 11 माह, धीरज पिता महेश कोरी उम्र 34 साल निवासी सोमनाथपुरम बाघ राज वार्ड थाना मोतीनगर को 6 माह, गौरव पिता हरविलास कोरी उम्र 25 साल निवासी गोलाकुंआ के पास सूबेदार वार्ड थाना मोती नगर को 10 माह एवं चंदन पिता नंदराम आठया उम्र 35 साल निवासी पंतनगर वार्ड थाना मोती नगर को 10 माह के लिए सागर जिले व सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से निष्कासित करने का आदेश दिया है। उनके विरूद्ध न्यायालय में प्रकरण चल रहा है तो वह नियत पेशी पर न्यायालय में उपस्थित हो सकेंगे। परन्तु इसके पूर्व अनावेदकों को थाना प्रभारी को लिखित में सूचना देनी होगी तथा न्यायालय में पेशी होने के तुरंत पश्चात जिला दण्डाधिकारी के आदेश का पालन सुनिश्चित करना होगा।

अनुसूचित जाति हितग्राही योजनाओं की समीक्षा बैठक 15 जुलाई को

सागर। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति हितग्राहियों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक 15 जुलाई को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, सागर में आयोजित की जाएगी। बैठक में शासन द्वारा संचालित अनुसूचित जाति कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, प्रगति तथा हितग्राहियों को प्रदान किए जा रहे लाभों की विभागवार समीक्षा की जाएगी।

दुग्ध डेयरियों के विस्थापन पर कलेक्टर सख्त

हफ्सली शिफ्ट न होने पर होगी कड़ी वैधानिक कार्रवाई, नगर निगम को दिए गए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

सागर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने, लोक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मानकों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा कड़ा रुख अपनाया गया है। जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल ने नगरीय सीमा के भीतर अवैध एवं अव्यवस्थित रूप से संचालित हो रही समस्त दुग्ध डेयरियों को पूर्ण कड़ाई के साथ हफ्सली डेयरी विस्थापन स्थल पर स्थानांतरित करने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर द्वारा इस संबंध में नगर पालिक निगम, सागर को तत्काल प्रभावी एवं बलपूर्वक विस्थापन की कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है।

समय सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर प्रतिभा पाल ने रिहायशी क्षेत्रों एवं मुख्य मार्गों पर दुग्ध डेयरियों के संचालन के कारण उत्पन्न होने वाली गंदगी, जलभराव और मवेशियों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर तीव्र असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन द्वारा हफ्सली में सर्वसुविधायुक्त डेयरी विस्थापन स्थल पूर्ण रूप से विकसित किया जा चुका है। अतः जनहित एवं नगरीय स्वच्छता की दृष्टि से शहरी क्षेत्र में डेयरियों का संचालन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि ऐसी सभी दुग्ध डेयरियों को चिन्हित कर उन्हें अविलंब हफ्सली विस्थापन स्थल पर स्थानांतरित किया जाए। स्वेच्छा से विस्थापित न होने वाले डेयरी संचालकों के विरुद्ध नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त समन्वय से मवेशियों को जब्त करने तथा डेयरी परिसरों को सील करने की वैधानिक कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि हफ्सली विस्थापन स्थल पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पेयजल, पहुंच मार्ग एवं ड्रेनेज जैसी समस्त मूलभूत नागरिक सुविधाएं निरंतर सुचारू रहें, ताकि विस्थापितों को कार्य संचालन में कोई व्यवधान न हो। प्रतिबंधित क्षेत्रों में चोरी-छिपे डेयरी संचालित करने अथवा मवेशियों को सार्वजनिक मार्गों पर लावारिस छोड़ने की दशा में भारी अर्थदंड अधिरोपित किया जाए तथा संबंधितों के विरुद्ध लोक सुरक्षा को संकट में डालने की सुसंगत धाराओं के तहत कानूनी प्रकरण दर्ज किए जाएं।

लंबित और चालू माह की शिकायतों पर काम में लाएं सुधार : कलेक्टर

सागर।साप्ताहिक समय सीमा बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई और विभिन्न माध्यमों से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कड़ा रुख अपनाया है। बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के संबंध में बेहद सख्त निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने विशेष रूप से भू-अर्जन से जुड़ी लंबित शिकायतों पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कड़े लहजे में कह कि, भू-अर्जन की जितनी भी लंबित शिकायतें हैं, उनका तुरंत निराकरण किया जाए। जो शिकायतें 50 दिवस से अधिक समय से लंबित पड़ी हैं, उन पर विशेष ध्यान देकर तत्काल कार्य पूरा किया जाए। इसके साथ ही चालू माह में प्राप्त हुई सभी शिकायतों पर भी तेजी से काम करते हुए व्यवस्था में व्यापक सुधार लाया जाए। समीक्षा के दौरान जिन विभागों का प्रदर्शन बेहद कमजोर पाया गया और जो डी-ग्रेड की श्रेणी में बने हुए हैं, उन्हें कलेक्टर ने सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि 'D-Grade' वाले सभी विभाग अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए कार्यों में तेजी से प्रगति लेकर आएं। लापरवाही बरतने वाले विभागों पर आगे कड़ी कार्रवाई की जा जाएगी । राजस्व और भूमि से जुड़े मामलों पर सख्त रुख अपनाते हुए कलेक्टर ने सीमांकन के कार्यों की भी समीक्षा की।

गढ़ाकोटा में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का प्रथम आगमन

गढाकोटा। भारतीय जनता पार्टी सागर ग्रामीण के नगर मंडल गढाकोटा द्वारा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के रहली विधानसभा में प्रथम आगमन पर स्वागत किया गया। स्वागत के उपरांत गढाकोटा स्थित निवास गणनायक पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष राम पटेल, जमुनासेन, प्रदेश महामंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी तथा मोर्चा के संभागीय प्रभारी नरेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने प्रदेश पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष के प्रथम आगमन से पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार होगा तथा संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी का पिछड़ा वर्ग मोर्चा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने तथा आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष भरत चौरसिया ने दिया। इस मौके पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज तिवारी, सुरेश कपस्या, सभापति संतोष पटेल समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीना नदी का जलस्तर बढ़ा, खुरई-पठारी मार्ग बंद, दलपतपुर पुल डूबने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

सागर-विदिशा जिले की सीमा पर खुरई के पास बीना नदी पर हनोता बांध बन रहा है। इस बांध के कारण दलपतपुर वाले पुल पर पानी आने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने पहले ही रास्ता बंद कर दिया है। रविवार शाम साढ़े छह बजे तक पुल से नदी का पानी सिर्फ आधा फीट नीचे था।

सुरक्षा के लिहाज से सड़क पर बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं और मिट्टी के ढेर डाल दिए गए हैं। इससे कार और बड़े वाहनों का आना-जाना पूरी तरह बंद हो गया है। हालांकि, कुछ बाइक सवार अब भी मिट्टी के ढेर के बगल से निकलते हुए देखे जा रहे हैं। हनोता बांध का काम बहुत तेजी से चल रहा है। उम्मीद है कि अगले एक-दो दिन में दलपतपुर पुल पूरी तरह पानी में डूब जाएगा, जिसके बाद यह रास्ता करीब छह महीने तक बंद रहेगा। खुरई-पठारी मार्ग पर दलपतपुर गांव के पास शनिवार शाम को ही सड़क पर मिट्टी डालकर रास्ता बंद कर दिया गया था। नदी के दूसरी तरफ पठारी से खुरई आने वाले रास्ते को भी बंद किया जा चुका है।

इस रास्ते के बंद होने से खुरई से पठारी, त्योंदा, विदिशा, गंजबासौदा और भोपाल की तरफ आने-जाने वाले वाहन चालकों को अब दानखेड़ी मार्ग का इस्तेमाल करना होगा। खुरई से पठारी जाने के लिए दो ही मुख्य रास्ते हैं- दलपतपुर और दानखेड़ी। दलपतपुर पुल के पानी में डूबने के बाद अब सिर्फ दानखेड़ी मार्ग ही चालू रहेगा। बांध का काम पूरा होने के बाद दलपतपुर वाला रास्ता हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। बुंदेलखंड से भोपाल और इंदौर जाने के लिए यह सबसे शॉर्टकट रास्ता है। सागर, मालथोन और खिमलासा से आकर लोग इसी रास्ते से विदिशा, भोपाल और इंदौर जाते हैं। ऐसे में रास्ता बदले जाने से अनजान ड्राइवरों को परेशानी हो सकती है।

बड़ी बसों के सामने खड़ी हुई नई मुसीबत

खुरई से पठारी के बीच कई यात्री बसें चलती हैं, जिनमें भोपाल, विदिशा और इंदौर जाने वाली डबल डेकर, सुपर डीलक्स और स्लीपर कोच बसें शामिल हैं। इन बसों की ऊंचाई ज्यादा होती है, इसलिए दानखेड़ी वाले रास्ते पर बिजली के लटकते तार और पेड़ों की झाड़ियां बस वालों के लिए बड़ी मुसीबत बन सकती हैं।

इस मामले पर हनोता बांध परियोजना के अधिकारी प्रदुम्न भार्गव ने बताया कि नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद एसडीएम के आदेश पर खुरई-पठारी मार्ग को बंद कर दिया गया है।

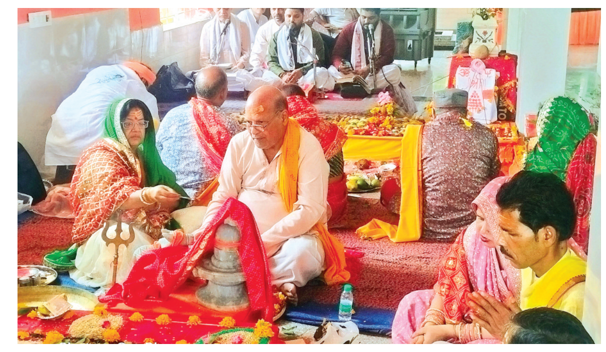

हवन पूर्णाहुति के साथ नवग्रह नवदुर्गा पूजन संपन्न गायक जित्तू खरे ने प्रस्तुत की भजन संध्या

सागर। तिली रोड बैंक कॉलोनी स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय नवग्रह नवदुर्गा पूजा स्थापना का कार्यक्रम सोमवार को हवन पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हो गया। पं.शिवप्रसाद तिवारी ने बताया कि सुबह 9बजे से पूजन हुआ 12बजे से हवन हुआ 3बजे पूर्णाहुति की गई। पूजन हवन कार्यक्रम पं.बिजयेश्वर शर्मा भोपाल ने सम्पन्न कराया। शाम 6बजे से भंडारा प्रारंभ हुआ जो देर रात तक चलता रहा, इसके पूर्व रविवार को बुंदेलखंडी गायक जित्तू खरे एवं कपिल श्रीवास्तव द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की गई जिसमें उन्होंने ईसुर दइयो जनम ऊई देश जहां पे भोले बाबा बसें... लगन तुमसे लगा बैठे जो होगा देखा जायेगा.. दर्शन मोखों देखो लगे हाथ मिल गए तर गया मेरा जीवन पशुपतिनाथ मिल गए सहित अनेक बुंदेली भजन सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। कार्यक्रम में के सी व्यास मुख्य यजमान, अखिलेश शर्मा, आर पी श्रीवास्तव, के पी गांधी, राघवेंद्र सिंह राजपूत, कपिल चौबे, हेमराज विश्वकर्मा आदि यजमान रहे। कार्यक्रम में महंत जितेंद्रदास झींकनीघाटी, आर पी मिश्रा, आर के भट्ट, दीपक चतुर्वेदी, संजय बाजपेयी, डब्बू गर्ग, राजेंद्र गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूर्वमंत्री भार्गव ने मरीजों को इलाज हेतु भेजा भोपाल

गढ़ाकोटा। सागर जिले के गढाकोटा मे पूर्व मंत्री एवं विधायक पं.गोपाल भार्गव ने अपने निज निवास गणनायक से 31 उपचाररत मरीज जो कि रहली विधानसभा क्षेत्र के सहित अन्य क्षेत्रों के मरीजो को बेहतर उपचार हेतु भोपाल रवाना किया गया। उनके साथ 34 परिजन, सहयोगी एवं बच्चे भी हैं। इस प्रकार कुल 64 लोगों को एम्बुलेंस एवं वातानुकूलित बस के माध्यम से भोपाल भेजा गया। इन मरीजों में किडनी, लीवर, हार्ट एवं न्यूरो जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीज शामिल हैं। सभी का भोपाल के उत्कृष्ट अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार कराया जाएगा। सभी मरीज एवं उनके परिजन भोपाल स्थित मेरे निवास पर विश्राम करेंगे तथा सोमवार को आवश्यकतानुसार विभिन्न अस्पतालों में उपचार हेतु भेजे जाएंगे। भार्गव ने कहा कि ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि सभी मरीज शीघ्र पूर्णतः स्वस्थ होकर अपने परिवार के बीच सकुशल लौटें।

मासूम की मौत पर छलका मानवीय संवेदनाओं का सैलाब, पीड़ित परिवार देंगे आर्थिक सहायता

सागर। मकरोनिया के दीनदयाल नगर क्षेत्र में जर्जर मकान की छत गिरने से 6 वर्षीय मासूम बच्ची की हुई दर्दनाक मौत पर सतनाम वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष मनी सिंह गुरोन एवं सोसाइटी की विशेष पारिवारिक सदस्य नम्रता दीक्षित पिंपलापुरे ने गहरा शोक व्यक्त किया है। दोनों ने दिवंगत बालिका को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि भगवान मासूम बच्ची को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मनी सिंह गुरोन एवं नम्रता दीक्षित पिंपलापुरे ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में सतनाम वेलफेयर सोसाइटी पीड़ित परिवार के साथ पूरी संवेदना के साथ खड़ी है। उन्होंने शीघ्र ही पीड़ित परिवार से मुलाकात करने की बात कही। इस दौरान नम्रता दीक्षित पिंपलापुरे द्वारा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि इस कठिन समय में परिवार को कुछ संबल मिल सके। उन्होंने प्रशासन से भी जिले के जर्जर भवनों की समय रहते जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की, जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

गांवों में हो रही अवैध शराब की सप्लाई, बाइक और कार से भेजी जा रही शराब, रोक लगाने की मांग

गढ़ाकोटा। सागर जिले में कई गांवों में अवैध शराब की सप्लाई की जा रही है। बताया गया की कथित तौर से फोर व्हीलर और दो पाहिया वाहनों से ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की बिक्री की जा रही है। जिस पर रोक लगाए जाने की मांग की गयी है। दरअसल सागर जिले के गढ़ाकोटा में भगवती मानव कल्याण संगठन के लोगों ने थाना प्रभारी को एक ज्ञापन सौंपकर अवैध शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। इस दौरान ज्ञापन में कहा गया की परमहंस योगीराज शक्तिपुत्र महाराज के मार्गदर्शन में भगवती मानव कल्याण संगठन सालों से नशामुक्ति अभियान चला रहा है। संगठन का दावा है कि मध्य प्रदेश में लगभग 2 हजार से ज्यादा स्थानों पर अवैध शराब की जानकारी पुलिस को देकर कार्रवाई कराई जा चुकी है। संगठन का आरोप है की गढ़ाकोटा क्षेत्र की शराब दुकान से दो पहिया और चार पहिया वाहनों के माध्यम से आसपास के गांवों में शराब पहुंचाई जा रही है। जबकि शराब दुकान का लाइसेंस निर्धारित स्थान से ही विक्रय के लिए जारी किया जाता है। अगर इस प्रकार कहीं और शराब की आपूर्ति की जा रही है तो उस पर प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही कहा गया की गांवों में शराब की आसान उपलब्धता के कारण युवाओं समेत ग्रामीणों में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। जिसका सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव महिलाओं, बच्चों और गरीब परिवारों पर पड़ रहा है। नशे की लत से परिवार तबाह हो रहे हैं। कई अन्य समस्याएं भी हो रही हैं। भगवती मानव कल्याण संगठन के लोगों ने थाना प्रभारी से मांग की है की गढ़ाकोटा शराब दुकान से कथित रूप से गांवों में भेजी जा रही अवैध शराब की जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाई जाए।

विधायक शैलेंद्र जैन ने ईवी बैटरी मेकिंग व रिपेयरिंग प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

वर्तमान और भविष्य इलेक्ट्रिक वाहनों का, यह प्रशिक्षण युवाओं को स्वरोजगार व रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएगा : विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

सागर विधायक शैलेंद्र कुमार जैन की प्रेरणा से सागर शहर एवं आसपास के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बैटरी मेकिंग एवं रिपेयरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रीस-52 कंपनी के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण में लगभग 50 युवाओं को आधुनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी निर्माण, रिपेयरिंग एवं संबंधित तकनीकों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। बदलते समय के साथ रोजगार के नए क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षित करना आवश्यक है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकें।

उन्होंने कहा कि वर्तमान युग इलेक्ट्रिक व्हीकल का युग है और आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार की असीम संभावनाएं हैं। रीस-52 कंपनी द्वारा युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। इससे युवाओं को नई तकनीक सीखने के साथ-साथ रोजगार के बेहतर अवसर भी प्राप्त होंगे।

विधायक जैन ने कहा कि किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार यह है कि वह विदेशी संसाधनों पर अपनी निर्भरता कम करे। पेट्रोलियम उत्पादों पर देश की बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यदि इलेक्ट्रिक वाहनों काये अधिक से अधिक उपयोग बढ़ेगा तो पेट्रोलियम पर निर्भरता कम होगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से आह्वान किया कि वे इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं, तकनीकी दक्षता हासिल करें और भविष्य में रोजगार या स्वयं का उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सागर एवं आसपास के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगा।

इस प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ईवी बैटरी मेकिंग, बैटरी रिपेयरिंग, बैटरी टेस्टिंग, बीएमएस (बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम) प्रोग्रामिंग, लिथियम बैटरी टेक्नोलॉजी, सुरक्षा एवं रखरखाव सहित प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष जगन्नाथ गुरैया, विक्रम सोनी, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुश्री मेघा दुबे, आईटीआई के संयुक्त संचालक देवेश श्रीवास्तव, उपसंचालक प्रतीक राय, प्राचार्य अमरनाथ साकेत, पूजा तिवारी, बलराम राय, नमन समैया, कंपनी के प्रतिनिधि कुंदन ओझा, आकाश तिवारी, श्रीकांत त्रिपाठी सहित संस्थान का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सुरक्षा से लेकर मूलभूत व्यवस्थाओं तक परखा हर पहलू, दिए गए दिशा निर्देश

मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियां तेज कलेक्टर एसपी ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित टीकमगढ़ भ्रमण को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। कार्यक्रम को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय और पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने संयुक्त रूप से प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का विस्तृत निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल, वीआईपी आगमन एवं प्रस्थान मार्ग, मंच निर्माण, बैठक व्यवस्था, पार्किंग स्थल, बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था, आपातकालीन निकास मार्ग तथा सुरक्षा संबंधी सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं का सूक्ष्म परीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किसी भी स्तर पर अव्यवस्था या लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए और सभी विभाग निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप कार्य करें। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वीआईपी सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूर्व निर्धारित सुरक्षा प्लान का शत-प्रतिशत पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में तैनात सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी सतर्कता, अनुशासन और समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा प्रत्येक सुरक्षा बिंदु पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता, चिकित्सा सहायता, पार्किंग, शौचालय, बैरिकेडिंग एवं अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं की व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि कार्यक्रम का संचालन व्यवस्थित, सुरक्षित और सुचारु रूप से संपन्न हो सके तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को कार्यक्रम से जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग करने, कार्यों की प्रगति पर सतत नजर रखने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि कार्यक्रम स्थल पर आने वाले नागरिकों के लिए आवागमन, सुरक्षा और सुविधाओं की समुचित व्यवस्था उपलब्ध रहे।

जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को सफल, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। प्रशासन का प्रयास है कि सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी कर कार्यक्रम का संचालन सुचारु एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न कराया जाए।

सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान को नपा ने पकड़ाई रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

शहर को स्वच्छ, सुंदर और रोगमुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद द्वारा सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के तहत व्यापक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नगर के जल स्रोतों, तालाबों, नालों, पार्कों, धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक शौचालयों में बड़े स्तर पर सफाई कराई गई। नगर पालिका ने साफ संदेश दिया कि स्वच्छ शहर केवल प्रशासन के प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है।

तालाब, नाले, पार्क, धार्मिक स्थल और शौचालयों की व्यापक सफाई शुरू

अभियान की शुरुआत नगर के प्रमुख जल स्रोतों, तालाबों एवं अन्य वाटर बॉडीज़ की साफ-सफाई से की गई। सफाई दलों ने जलाशयों में जमा प्लास्टिक, कचरा, जलकुंभी एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर जल स्रोतों को स्वच्छ बनाया। नगर पालिका ने नागरिकों से अपील की कि तालाबों और अन्य जल स्रोतों में कचरा, पूजा सामग्री अथवा प्लास्टिक न फेंकें, ताकि जल प्रदूषण पर नियंत्रण रखा जा सके और जल स्रोतों का संरक्षण हो सके। इसके बाद शहर के विभिन्न सार्वजनिक पार्कों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। पार्कों से सूखी पत्तियां, प्लास्टिक, गंदगी एवं अन्य अपशिष्ट हटाकर परिसर को स्वच्छ और आकर्षक बनाया गया। नगर पालिका ने लोगों से पार्कों में स्वच्छता बनाए रखने, कचरा निर्धारित डस्टबिन में ही डालने तथा सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा करने की अपील की।

मानसून के दौरान जलभराव और संक्रामक बीमारियों की आशंका को देखते हुए नगर के प्रमुख नालों की व्यापक सफाई भी कराई गई। नालों से गाद, कचरा एवं अवरोध हटाकर जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाया गया, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति न बने और मच्छरों के प्रजनन पर रोक लगाकर डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव सुनिश्चित किया जा सके। अभियान के तहत मंदिरों एवं अन्य धार्मिक स्थलों पर भी विशेष सफाई अभियान चलाया गया। मंदिर परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों से गंदगी हटाकर श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने, कचरा डस्टबिन में डालने तथा सार्वजनिक स्थानों को साफ रखने के लिए जागरूक किया गया। नगर पालिका ने सार्वजनिक शौचालयों की विशेष साफ-सफाई कर स्वच्छता व्यवस्था को भी बेहतर बनाया। शौचालयों में साफ-सफाई, कीटाणुनाशक छिड़काव एवं नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया गया। साथ ही नागरिकों को शौचालयों का स्वच्छ तरीके से उपयोग करने, खुले में शौच से बचने तथा स्वच्छ शौचालय अपनाने के स्वास्थ्य संबंधी लाभों की जानकारी दी गई। नगर पालिका परिषद ने शहरवासियों से अपील की कि वे अपने घरों, मोहल्लों एवं सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी निभाएं। कचरा केवल निर्धारित स्थानों पर ही डालें, प्लास्टिक का अनावश्यक उपयोग कम करें तथा स्वच्छ टीकमगढ़ के निर्माण में प्रशासन का सहयोग करें। अधिकारियों का कहना है कि स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता और सामूहिक भागीदारी ही बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा स्वस्थ समाज की सबसे बड़ी कुंजी है।

विभिन्न योजनाओं की हुई समीक्षा, विभागों के प्रमुख रहे उपस्थित

टीएल बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश, समयबद्ध हो क्रियान्वयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने, लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने तथा विकास कार्यों में गति लाने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बैठक में कलेक्टर श्रोत्रिय ने एनजीटी के वेटलैंड कॉम्प्लियंस की समीक्षा करते हुए जलाशयों एवं आर्द्रभूमि संरक्षण से जुड़े सभी निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग एवं केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए चल रहे भू-अर्जन कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर परियोजना में किसी प्रकार की बाधा न आने देने के निर्देश दिए। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए। वहीं जनगणना-2027 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को आवश्यक समन्वय स्थापित कर समयबद्ध तैयारियां पूर्ण करने के लिए कहा गया। कलेक्टर श्रोत्रिय ने वन अधिकार पट्टों से जुड़े लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए पात्र हितग्राहियों के प्रकरणों का नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व प्रकरणों में लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं अन्य मामलों के समयबद्ध निपटारे पर विशेष जोर दिया। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री एवं ई-विकास पोर्टल के माध्यम से खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग को किसानों के पंजीयन कार्य में तेजी लाने तथा खाद वितरण व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी एवं सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कृषि वर्ष 2026 की तैयारियों, किसानों को आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता तथा पीएम डीडीकेवाई एवं क्षीर धारा ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर श्रोत्रिय ने डीएमएफ एवं डीएटीसीसी की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना पीएमएवाई के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर श्रोत्रिय ने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण नहीं, बल्कि वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा कोर्ट प्रकरणों एवं अवमानना संबंधी मामलों की नियमित मॉनिटरिंग कर समय पर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिक से अधिक पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनवाने, योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा जरूरतमंद मरीजों को उपचार का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में टीएल पत्रों पर की गई कार्रवाई की भी विभागवार समीक्षा कर लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

उक्त बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवीत कुमार धुर्वे, अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मंडराह, संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम, एसडीएम मुदित लटोरिया, डिप्टी कलेक्टर एस.के. तोमर, नगर पालिका की प्रभारी अध्यक्ष अंजली शर्मा, निशांत भूरिया सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

13 से 18 जुलाई तक संचालित होगा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तीसरा चरण

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने गांव-गांव पहुंचेगी टीम, कलेक्टर ने सौंपे दायित्व

टीकमगढ़। जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने, पशुपालकों की आय में वृद्धि करने तथा वैज्ञानिक पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा 13 जुलाई से 18 जुलाई तक दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तृतीय चरण का संचालन किया जाएगा। अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने जिला, अनुभाग एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों को मैदानी स्तर पर लगातार भ्रमण कर सख्त निगरानी एवं पर्यवेक्षण करने के निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर श्रोत्रिय ने स्पष्ट किया है कि अभियान केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि इसका लाभ वास्तविक रूप से पशुपालकों तक पहुंचे। इसके लिए अधिकारियों को गांवों में पहुंचकर अभियान की प्रगति का निरीक्षण करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में दुग्ध उत्पादन की गुणवत्ता एवं मात्रा दोनों में वृद्धि करना है। इसके तहत पशुपालकों को नस्ल सुधार, संतुलित पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य जैसे तीन प्रमुख विषयों पर जागरूक किया जाएगा। विशेषज्ञ पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों, कृत्रिम गर्भाधान, पौष्टिक आहार, रोगों की रोकथाम, समय पर टीकाकरण तथा पशुओं की बेहतर देखभाल संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां देंगे, जिससे दूध उत्पादन में वृद्धि के साथ पशुओं की उत्पादकता भी बढ़ाई जा सके। अभियान के दौरान विभागीय अमला गांव-गांव पहुंचकर सघन संपर्क करेगा।

एसपी मंडलोई के दो दिवसीय मेगा कॉम्बिंग अभियान ने मचाया हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

422 वारंट तामील, 164 लीटर अवैध शराब जब्त, 640 वाहनों की हुई बारीकी से जांच

जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, सुदृढ़ एवं जनकेंद्रित बनाने के उद्देश्य से पुलिस ने 11 और 12 जुलाई को व्यापक कॉम्बिंग गश्त एवं विशेष निगरानी अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के नेतृत्व में संचालित इस दो दिवसीय अभियान में फरार आरोपियों की धरपकड़, लंबित वारंटों की तामील, हिस्ट्रीशीटरों की निगरानी, अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने पर विशेष फोकस किया गया।

अभियान के दौरान जिलेभर में एक साथ हुई पुलिस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया। अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाह, दो एसडीओपी, 14 थाना प्रभारियों सहित कुल 389 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। पुलिस टीमों ने रातभर गांवों, कस्बों और संवेदनशील क्षेत्रों में कॉम्बिंग गश्त कर संदिग्ध ठिकानों पर दबिश दी। संभावित अपराधियों और निगरानीशुदा बदमाशों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी गई, जिससे जिले में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सका।

अभियान के दौरान न्यायालयों से लंबित वारंटों के निष्पादन को भी प्राथमिकता दी गई। पुलिस ने 205 समंस, 50 गिरफ्तारी वारंट, 155 जमानती वारंट और 7 स्थायी वारंट सहित कुल 422 वारंटों की तामील कराई। इस कार्रवाई से लंबे समय से लंबित न्यायिक प्रक्रियाओं को गति मिली और फरार एवं वांछित आरोपियों पर पुलिस का शिकंजा और कस गया। पुलिस ने जिलेभर में अपराधियों पर निगरानी भी तेज की। अभियान के दौरान 46 हिस्ट्रीशीटरों की गतिविधियों की जांच की गई, 71 शरारती तत्वों की निगरानी की गई तथा हाल ही में जेल से रिहा हुए 7 अपराधियों का सत्यापन किया गया। संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्त कर संभावित आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नजर रखी गई। अवैध शराब के कारोबार पर भी पुलिस ने कड़ा प्रहार किया। कार्रवाई के दौरान आबकारी अधिनियम के तहत 38 प्रकरण दर्ज किए गए तथा 38 आरोपियों के कब्जे से लगभग 164 लीटर अवैध शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 50 हजार 770 रुपये है, जब्त की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिले में शराब तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। यातायात व्यवस्था को अनुशासित बनाने के लिए विशेष वाहन जांच अभियान भी चलाया गया। इस दौरान 640 वाहनों की जांच की गई, जिनमें नियमों का उल्लंघन करने वाले 224 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए 71 हजार 400 रुपये का जुर्माना वसूला गया। पुलिस का मानना है कि इस कार्रवाई से सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता और नियमों के पालन की भावना मजबूत होगी। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने कहा कि टीकमगढ़ पुलिस नागरिकों की सुरक्षा, शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अपराधियों, फरार आरोपियों, अवैध शराब कारोबारियों और अन्य असामाजिक तत्वों के विरुद्ध ऐसे विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे, ताकि जिले के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, भयमुक्त और शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। दो दिवसीय इस व्यापक अभियान ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि टीकमगढ़ पुलिस अपराध पर सख्त कार्रवाई, सतत निगरानी और जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए निरंतर सक्रिय है।

देश के विभिन्न रंगकर्मियों की प्रस्तुतियों से होगा तीन दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य

रंगयात्रा का होगा भव्य समापन, 'हरिहर काका' से सजेगा मंच

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले के रंगमंच प्रेमियों के लिए जुलाई का तीसरा सप्ताह सांस्कृतिक उत्सव की सौगात लेकर आ रहा है। मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं पाहुना लोक जन समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 25 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का समापन 18 जुलाई को चर्चित नाटक हरिहर काका की मंचीय प्रस्तुति के साथ होगा। इसी दिन से शहर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव का भी शुभारंभ होगा, जिसमें देश के विभिन्न रंगकर्मी अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को रंगमंच की विविध विधाओं से रूबरू कराएंगे।

आयोजकों के अनुसार 25 दिनों तक चली इस नाट्य कार्यशाला में स्थानीय युवा कलाकारों को अभिनय, संवाद अदायगी, मंच संचालन, शारीरिक अभिव्यक्ति, रंगभाषा तथा रंगमंच की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला के दौरान तैयार किया गया नाटक हरिहर काका, प्रसिद्ध साहित्यकार मिथिलेश्वर की चर्चित कहानी पर आधारित है, जो ग्रामीण समाज, पारिवारिक संबंधों, लालच, संपत्ति विवाद और मानवीय संवेदनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है।

इस नाटक का निर्देशन मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय से आए अतिथि प्रशिक्षक अभिषेक शाही एवं एकता चौरसिया ने किया है। दोनों निर्देशकों के मार्गदर्शन में कार्यशाला के प्रतिभागियों ने अभिनय की बारीकियों को सीखा और नाटक को मंचन योग्य स्वरूप दिया। आयोजकों का कहना है कि प्रस्तुति में स्थानीय कलाकारों की प्रतिभा और रंगमंचीय परिपक्वता की झलक देखने को मिलेगी। हरिहर काका के मंचन के साथ ही पाहुना नाट्य संस्था का बहुप्रतीक्षित तीन दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव भी शुरू होगा। यह महोत्सव 18 से 20 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रतिदिन एक नाटक का मंचन होगा। तीन दिनों तक चलने वाले इस सांस्कृतिक आयोजन में दर्शकों को विभिन्न विषयों और रंगशैलियों पर आधारित नाटकों का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। आयोजन का उद्देश्य रंगमंच के प्रति नई पीढ़ी को आकर्षित करना तथा सांस्कृतिक चेतना को और अधिक मजबूत बनाना है। पाहुना लोक जन समिति के संदीप श्रीवास्तव ने बताया कि पाहुना नाट्य संस्था टीकमगढ़ जिले की एकमात्र ऐसी संस्था है, जो पिछले ढाई दशक से लगातार रंगमंच के क्षेत्र में सक्रिय रहकर सांस्कृतिक गतिविधियों को नई पहचान दिला रही है। संस्था ने शहर ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी अभिनय प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें प्रशिक्षण दिया और प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर तक मंच उपलब्ध कराए हैं। संस्था की यही निरंतरता आज टीकमगढ़ को बुंदेलखंड के प्रमुख रंगमंचीय केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष का राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव शहनाई गार्डन में आयोजित किया जाएगा, जहां रंगमंच प्रेमियों के लिए बेहतर मंचीय एवं दर्शक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आयोजकों ने जिले के साहित्यकारों, कलाकारों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। यह आयोजन केवल नाट्य प्रस्तुतियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि स्थानीय कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर के रंगकर्मियों से सीखने, संवाद स्थापित करने और अपनी प्रतिभा को नई दिशा देने का अवसर भी प्रदान करेगा।

बुलडोजर कार्रवाई से लेकर सड़क, पुल और भ्रष्टाचार को लेकर उठाए मुद्दे

अर्धनग्न होकर सड़क पर उतरे सपाई राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

पलेरा। विभिन्न स्थानीय समस्याओं और कथित प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर सोमवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामकुमार यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अर्धनग्न अवस्था में प्रदर्शन करते हुए पलेरा तहसील कार्यालय पहुंचकर महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि आम जनता की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिसके विरोध में उन्हें यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

ज्ञापन में समाजवादी पार्टी ने सबसे पहले पलेरा क्षेत्र में गौचर भूमि से जुड़े विवाद का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के चलते अहिरवार समाज एवं मुस्लिम समाज के लोगों की भूमि पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की जा रही है। सपा नेताओं ने मांग की कि इस कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। ज्ञापन में पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक षड्यंत्र बताते हुए उस पर रोक लगाने की मांग भी की गई। सपा नेताओं का कहना है कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। सपा ने क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कई मुद्दे भी प्रमुखता से उठाए। ज्ञापन में मांग की गई कि लहर बुजुर्ग हार क्षेत्र में बृजलाल लाल यादव के खेत से खुमानगंज मुख्य सड़क तक सुदूर सड़क योजना के अंतर्गत सड़क का निर्माण कराया जाए, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिल सके। इसके अलावा ग्राम पंचायत टोरी के पटवारी गोपाल मिश्रा द्वारा की गई कथित गलत तरवीन को निरस्त करने की मांग की गई। वहीं शासकीय प्राथमिक शाला उगड़ कछौरा की स्कूल परिसर की दीवार पर कथित अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। सपा कार्यकर्ताओं ने पलेरा-देरी मुख्य मार्ग पर भदर्रा पुल के निर्माण की मांग करते हुए कहा कि पुल के अभाव में क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नकदी, बाइक और जेवर समेत अन्य सामान लूट ले गए बदमाश, दहशत में ग्रामीण

थाने से 5 किमी दूर बदमाशों ने ग्रामीणों को बंधक बनाकर दो घंटे तक मचाई लूटपाट

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कराहल पुलिस थाने से करीब पांच किलोमीटर दूर स्थित चक गांव में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात को हथियारो के साथ पहुंचे बदमाशो ने ग्रामीणों को दो घंटे तक बंधक बनाकर ऐसी लूटपाट मचाई कि ग्रामीण डर के मारे उफ भी नहीं कर पाए। बदमाशो ने पहले ग्रामीणो को घरो से उठाकर एक जगह एकत्रित कर लिया और फिर हथियारों की नौंक पर सभी ग्रामीणों को करीब दो घंटे तक बंधक बनाए रखा। इस दौरान बदमाशों के अन्य साथी एक-एक घर में घुसकर नगदी, चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन, डीजे मशीन और मोटरसाइकिल सहित अन्य कीमती सामानों की लूटपाट करते रहे। हालांकि गांव के कुछ लोगो ने इस लूटपाट का विरोध किया तो बदमाशों ने उन ग्रामीणों की मारपीट भी कर दी गई। बदमाश दो दिन बाद फिर आने की धमकी देकर भाग निकले। इस घटना से चक सहित आसपास के गांव के ग्रामीणों में दहशत की स्थिति निर्मित हो गई है। सोमवार की सुबह घटना की सूचना मिलने पर कराहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया और चार अज्ञात बदमाशों पर एफआईआर दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

ग्रामीणों के मुताबिक रविवार की रात करीब 2 बजे हथियारो के साथ बदमाश गांव में दाखिल हुए। ग्रामीणों ने बदमाशो की संख्या 8 से 10 बताई है। नकाब से चेहरो को ढके बदमाशों ने पूरे गांव को घेर लिया और फिर ग्रामीणों को घरों से बाहर निकालकर गांव के चैक पर बैठा दिया और कट्टे तानकर सभी ग्रामीणों को धमका दिया कि कोई भी अपनी जगह से नहीं उठेगा और न ही शोर मचाएगा। इसके बाद बदमाशों का दूसरा दल गांव के अलग-अलग घरों में घुस गया और बेखौफ होकर लूटपाट करता रहा। करीब दो घंटे तक पूरा गांव बदमाशों के कब्जे में रहा और भय के कारण कोई भी ग्रामीण विरोध नहीं कर सका। पीड़ति ग्रामीणों ने बताया कि बदमाश प्रेमराज आदिवासी की मोटरसाइकिल, महेश आदिवासी की चांदी की खानवाई, मोतीराम के पांच हजार रुपये, रमेश आदिवासी के एक हजार रुपये, रामजीलाल के दो हजार रुपये, नट्टू आदिवासी के चांदी के कड़े तथा एक घर से डीजे मशीन और चांदी का चूड़ा लूटकर ले गए। इसके अलावा कई ग्रामीणों के मोबाइल फोन और अन्य सामान भी बदमाश अपने साथ ले गए। विरोध करने पर कई लोगों के साथ मारपीट की गई और महिलाओं को भी डराया-धमकाया भी गया।

दो दिन बाद फिर आने की धमकी देकर गए बदमाश

ग्रामीण महेश आदिवासी, मेमराज आदिवासी, प्रेमराज आदिवासी, बादामी बाई और द्रोप आदिवासी ने बताया कि बदमाश लगातार कट्टे लहराते रहे और पूरे गांव में दहशत फैलाए रखी। लूटपाट मचाने के बाद बदमाश जाते समय यह धमकी भी दे गए कि वे दो दिन बाद फिर गांव आएंगे और तब तक 20 हजार रुपये का इंतजाम करके रखना। यदि पुलिस को सूचना दी या किसी को घटना के बारे में बताया तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे। इस धमकी के कारण पूरी रात गांव के लोग सहमे रहे।

विधायक के साथ थाने पहुंचे ग्रामीण, चार अज्ञात बदमाशों पर मामला दर्ज

बदमाशो ने दो घंटे तक पूरे गांव के लोगो को बंधकर बनाकर जो ताडंव मचाया,उससे पूरे गांव के ग्रामीण सुबह तक सहमे रहे और फिर सुबह होने पर विधायक मुकेश मल्होत्रा के पास पहुंचे और विधायक को पूरी आप बीती सुनाई। इसके बाद ग्रामीण विधायक मल्होत्रा के साथ कराहल थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई और बदमाशो की की जल्द गिरफ्तारी करने की मांग उठाई ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की वारदात ने पूरे गांव में भय का माहौल पैदा कर दिया है और अब रात के समय लोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। कराहल टीआई भारत सिंह गुर्जर ने बताया कि इस मामले में अज्ञात बदमाशों पर एफआईआर दर्ज उनकी तलाश शुरू कर दी गई है।

एसपी ने तीन थानों की टीम उतारी जंगल में

इस वारदात को अंजाम देकर जंगल में भागे बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल ने तीन पुलिस थानो की टीमो को सर्चिंग के लिए जंगल में उतार दिया है। जिसमें कराहल थाने के साथ ही सेसईपुरा और बरगवां थाने की पुलिस टीम शामिल है। लेकिन खबर लिखे जाने तक पुलिस को बदमाशों के संबंध में कोई अहम सुराग मिल नहीं सका है।

इनका कहना...

यह घटना आसपास के बदमाश टाइप के लोगो की हरकत लग रही है। जिन्हें पकडने के लिए तीन थानों की पुलिस टीम जंगल में सर्चिंग के उतार दी है। ग्रामीणों को डरने की जरूरत नहीं है। घटना कर भागे बदमाशों को जल्द ही पकडकर सलाखो के पीछे पहुंचा दिया जाएगा।

सुधीर कुमार अग्रवाल
एसपी,श्योपुर

बीईओ के नहीं होने से भी आ रही है परेशानी

डीईओ ऑफिस में अटकी चौथी क्रमोन्नति के लाभ वाली फ़ाइल

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

वो शिक्षक जिन्होंने शासकीय सेवा में 35 साल नौकरी कर ली है उन्हें प्रदेश की मोहन सरकार चौथी क्रमोन्नति का लाभ देने की घोषणा की थी, इस घोषणा का पालन कराने के लिए श्योपुर जिले में दर्जनों शिक्षकों की फ़ाइल जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अनुमोदन कराकर मंगा तो ली लेकिन संबंधित शिक्षकों को उसका लाभ श्योपुर विकासखंड अधिकारी के अभाव के चलते नहीं मिल पा रहा है। ऐसे शिक्षक जिन्होंने सेवाकाल के 35 वर्ष पूरे कर लिए हैं उन्हें चौथी क्रमोन्ति का लाभ मिलना है यह लाभ उन शिक्षको को भी मिलेगा जो सेवाकाल के 35 वर्ष पूरे कर सेवानिवृत हो चुके हैं। ऐसे सभी कार्यरत ओर सेवा निवृत शिक्षकों को चौथी क्रमोन्नति का देने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी यश जैन ने संबंधित अधीनस्थ अधिकारियों को लाभांवित होने वाले शिक्षकों की सूची बनाकर अनुमोदन के लिए भेजने के निर्देश जारी कर दिए थे। इसके लिए संबंधित शिक्षकों को अपनी गोपनीय चरित्रावली अनुमोदित कराकर खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के माध्यम से मंगा ली गई लेकिन बीईओ के ट्रांसफर हो जाने के कारण फ़ाइल आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। यहां बताना होगा कि जिला शिक्षा अधिकारी श्योपुर की की अनुशंसा के बाद उक्त फ़ाइल के आधार पर बीईओ संबंधित शिक्षकों के खातों में राशि आहरण के लिए ट्रेंजरी में पत्रक भेजेंगे।

इनका कहना...

जिन शिक्षकों ने 35 वर्ष सेवा पूरी कर ली है भले ही वह रिटायर हो गए हैं उन्हें चौथे वेतनमान का लाभ दिया जाएगा इसके लिए हमने पूर्व में निर्देश जारी किए थे बीईओ ने संकुल प्रिंसिपलों के माध्यम से गोपनीय चरित्रावली के आधार पर फाइल तैयार कर ली है जैसे ही बीईओ की पदस्ती होगी उन्हें राशि डलवाने के लिए निर्देशित किया जाएगा।

यश जैन
डीईओ श्योपुर

स्कूलों में उर्दू भाषा पढ़ाने के लिए शिक्षकों की नियुक्ति करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

श्योपुर जिले के उन स्कूलों में जहां मुस्लिम बच्चे अधिक हैं, वहां विधार्थियो को उर्दू भाषा पढ़ाने के लिए उर्दू भाषा शिक्षक पदस्थ करने की मांग को लेकर मुस्लिम अभिभावकों ने अंजुमन सदर अकरम खान को ज्ञापन सोपा है।

ज्ञापन में उल्लेख किया है कि जिले के शासकीय स्कूलों में उर्दू शिक्षा गंभीर समस्या बन चुकी है।आकर्षित करना चाहते हैं। कई शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में उर्दू विषय पढने के इच्छुक छात्र-छात्राओं की संख्या पर्याप्त है और वह क्लास में उर्दू पढना भी चाहते हैं जिसके लिए उन्होंने उर्दू का विकल्प चुनकर अपनी मातृभाषा में अंकित किया हुआ हैं। परंतु विडंबना यह है कि स्कूल शिक्षा विभाग के आधिकारिक रिकॉर्ड में इन स्कूलों के लिए उर्दू शिक्षकों के पद ही स्वीकृत ही नहीं हैं।

पद न होने के कारण योग्य उर्दू शिक्षक नियुक्त नहीं हो पा रहे हैं। शासकीय माध्यमिक शाला (जीएमएस) उर्दू गांधी स्कूल, श्योपुर शासकीय माध्यमिक शाला (जीएमएस) नंबर 1 स्कूल, श्योपुर, शासकीय माध्यमिक शाला (जीएमएस) नंबर 3 स्कूल, श्योपुर सांदीपनि विद्यालय, श्योपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (जीएमएस) सोई कलां, शासकीय माध्यमिक शाला (जीएमएस) बागडुआ, शासकीय हजारेश्वर उत्कृष्ट विद्यालय, श्योपुर ऐसे स्कूल हैं जहां विधार्थी उर्दू भाषा लेकर पढना चाहते हैं लेकिन शिक्षक नहीं होने के कारण पड़ नहीं पा रहे हैं। अंजुमन सदर अकरम खान ने इस संबंध में शीघ्र ही कलेक्टर से मिलकर सरकारी स्कूलों में उर्दू भाषा शिक्षक पदस्थ करने के लिए अनुरोध करने का आश्वासन दिया है।

छात्रावासों का निरीक्षण कर 10 दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कलेक्टर शीला दाहिमा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान निर्देश दिये कि जिले में स्थित सभी छात्रावासों का निरीक्षण कर 10 दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाये। इसके उपरांत अन्य विभागीय अधिकारियों को हॉस्टल आवंटित कर निरीक्षण कराया जायेंगा तथा व्यवस्थाओं में सुधार नही पाये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कडी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, एसडीएम गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन एवं विजय शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर शीला दाहिमा ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा के दौरान कहा कि अधिकारी सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। इस माह की 20 तारीख तक ग्रेडिंग जारी होगी, इसके पूर्व 18 जुलाई तक अधिकारी ए-ग्रेड के लक्ष्य के अनुरूप शिकायतों को निराकृत कराने की कार्यवाही करें। इसके साथ ही टीएल प्रकरणों, कलेक्टर हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि 15 जुलाई को विजयपुर विकासखण्ड मुख्यालय पर

कैम्प लगाया जायें तथा किसानों की खाद, बीज आदि से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया जायें। इसके अलावा किसानों को ई-विकास प्रणाली के संबंध में जानकारी प्रदान की जायें। उन्होंने राजस्व एवं कृषि अधिकारियों की संयुक्त बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दियें। उन्होंने कहा कि पीएम श्रमयोगी मानधन योजना में स्वसहायता समूह की महिलाओं के पंजीयन भी किये जायें, इसके अलावा सभी विभाग अपने-अपने क्षेत्र में श्रमिकों के पंजीयन कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर शीला दाहिमा ने स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि 14 जुलाई से 31 अगस्त तक आयोजित होने वाले दस्तक अभियान का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जायें कलेक्टर ने जिले के सभी पेयजल स्त्रोतों के क्लोरीनिकेशन का कार्य कराये जाने के निर्देश पीएचई अधिकारियों को दिये।

वन औषधीय संपदा पर यहां के वनवासियों का अधिकार: रावत

श्योपुर। वन औषधि सम्पदा वनवासियो की आजीविका का मुख्य जरिया है और इस पर उनका अधिकार भी है इसलिए वनो के संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए वन वासियों को वन औषधीय सम्पदा संग्रहण करने से रोका नहीं जाए। यह बात मध्य प्रदेश वन विकास निगम के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामनिवास रावत ने कराहल मुख्यालय पर वन्य औषधि संपदा व्यवसायियों द्वारा आयोजित किए गए स्वागत कार्यक्रम में दौरान मौजूद वन कर्मियों को निर्देशित करते हुए कही।वनों से प्राप्त होने वाली वन औषधि (जड़ी बूटियां) जिन्हें संग्रहित कर आदिवासी सदियों से अपनी आजीविका चलाने का काम करते आ रहे हैं इस वन संपदा को संग्रहण करने से वन कर्मियों द्वारा रोके जाने की शिकायत मिलने पर वन विकास निगम के अध्यक्ष रावत ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया था कि वनवासियों को औषधि संपदा संग्रहण करने से ना रोका जाए जिस तरह हम तेंदूपत्ता संग्रहण कराते हैं उसी तरह अन्य वन्य औषधि भी उन्हें संग्रहण करने दी जाए। निगम अध्यक्ष रावत के निर्देश के बाद आदिवासियों को पूर्व की तरह वन्य औषधि संपदा संग्रहित करने के लिए शर्तों पर छूट दी गई है जिससे ग्रहण करने वाले आदिवासी वनो का संरक्षण भी करेंगे पेड़ पौधों को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे इस फैसले से जहां आदिवासियों की आजीविका का साधन सुचारू हो गया वहीं औषधि को खरीदने वाले व्यापारी भी प्रसन्न है उन्होंने इस संबंध में अध्यक्ष रावत का स्वागत सत्कार कार्यक्रम आयोजित किया था। इस दौरान निगम अध्यक्ष रावत ने व्यापारियों को समझाइश देते हुए कहा कि आदिवासियों द्वारा संग्रहित की जाने वाली औषधि (जड़ी बूटी) का उन्हें उचित दाम मिले उनका किसी तरह से शोषण न होने पाए अगर वह है तो आप हैं वह नहीं होंगे तो आप भी नहीं होंगे। व्यापारियों ने निगम अध्यक्ष रावत का आभार जताते हुए भरोसा दिलाया की वह हमेशा की तरह आदिवासियों को औषधि संग्रहण का उचित मूल्य अदा कराएंगे और किसी भी तरह से उनका शोषण नहीं होने देंगे।

प्रमोशन लिस्ट में 14 पुलिसकर्मी ऐसे भी है,जो अब बन पाए हवलदार

एसपी ने जारी की 139 पुलिसकर्मियों की प्रमोशन लिस्ट, कहीं खुशी तो कहीं छाया गम

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

सिपाही से हवलदार पद के लिए जारी होने वाली प्रमोशन लिस्ट का इंतजार कर रहे पुलिसकर्मियों का यह इंतजार अब पूरा हो गया है, क्योंकि 12 जुलाई की देर रात को पुलिस अधीक्षक कार्यालय से यह प्रमोशन लिस्ट जारी हो गई है। प्रमोशन लिस्ट में 139 पुलिसकर्मियों को पदोन्नति प्रदान कर दी गई है। चूंकि यह प्रमोशन रेगुलर हुआ है,इसलिए प्रमोशन पाने वाले पुलिसकर्मी कार्यवाहक की जगह स्थाई प्रधान आरक्षक बन गए है। हालांकि प्रमोशन लिस्ट में शामिल कई पुलिसकर्मी पहले ही कार्यवाहक प्रधान आरक्षक बन गए थे, जिसकारण उनके नाम के आगे कार्यवाहक प्रधान आरक्षक लिखा हुआ था, मगर अब रेगुलर प्रमोशन मिलने से उनके नाम के आगे से कार्यवाहक शब्द हट जाएगा। खास बात यह है कि इस प्रमोशन लिस्ट के जारी होने के बाद से जिले के पुलिस महकमे में कहीं खुशी तो कहीं गम की स्थिति निर्मित हो गई है, क्योंकि इस प्रमोशन लिस्ट में 14 ऐसे पुलिसकर्मियों के नाम भी शामिल है,जो अभी तक सिपाही बनकर काम कर रहे थे, इसलिए इन पुलिसकर्मियो में जोरदार खुशी की लहर देखी जा रही है, लेकिन कुछ पुलिसकर्मियों का डिमोशन भी हो गया है। जिसकारण ये पुलिसकर्मी वापस सिपाही बन गए है,इससे उनके चेहरो पर मायूसी देखी जा रही है।

एसपी सुधीर कुमार अग्रवाल के द्वारा जारी की गई प्रमोशन लिस्ट में 139 पुलिसकर्मियों के नाम शामिल है। जिन्हें प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नत करते हुए उसी जगह पर नवीन पदस्थापना दे दी गई है,जहां वे वर्तमान में पदस्थ बने हुए है। प्रमोशन पाने वाले पुलिसकर्मियों में राजीव कुमार, सीताराम माहौर,गोरेलाल,संजेश, रविन्द्र कुमार,रमेश पनोईया,महावीर सिह,रामदयाल,विशम्भर सिह, शैलेन्द्र सिंह, विजय सिंह,राकेश सिंह, दिलीप सिंह, रामअवतार सिकरवार,संजीव कुमार,नरेश अनंत,कैलाश नारायण,रामकृष्ण दौहरे,अजय दौहरे,भगवतीशरण उपाध्याय,विपिन कुमार शर्मा, महेन्द्र सिह सेंगर,उमेश परिहार,विक्रम चैहान, कुलदीप जाट,धर्मेन्द्र जादौन, हेमंत रावत, पवन शर्मा, कुलदीप यादव, शादाब खान, राजकुमार राठौर,सुशील तोमर, बंसत कुमार खत्री,आनंद पुरोहित, अजय सिंह तोमर, करुणा शंकर यादव,विजेन्द्र सिंह तोमर,विजय सिंह यादव, सुनील कुमार गौतम, हरिमोहन गुर्जर, अरविंद बघेल,दीपेश ओझा,अमित यादव, दीपू भदौरिया, अंसार खान, कुलदीप परमार, अरूण जादौन, वीरसिंह भदौरिया, कुलदीप जोशी, नितेन्द्र राजावत, रविन्द्र कुमार निगम, विजय जादौन, आशीष शर्मा, नीरज कटेरिया, विजेन्द्र सिंह, रामकुमार सबिता, विजय पावक,माधव सिंह सेंगर,विष्णु कुमार,अजय शर्मा, सतेन्द्र वैश्य,धर्मेन्द्र चैहान,अनिल राठौर,जितेन्द्र राजावत, विक्रम बहादूर, सौरभ व्यास, अमित शर्मा, माधुरी तोमर,अनूप कुमार पाठक, अभिषेक रघुवंशी, कोशल किशोर, राकेश कुशवाह, आलोक खेस, अमित परिहार, विजय सिंह बघेल, अमित योगी, मोहम्मद आशिफ, ऋषि शर्मा, जितेन्द्र दुबे, रीता तोमर, प्रदीप सिकरवार, बलराम शर्मा, मनोज कुमार शर्मा, प्रमोद चैरसिया,रविन्द्र सिंह तोमर, सनत शर्मा, धीरेन्द्र सिकरवार, बीरेन्द्र शर्मा, चंद्रशेखर शर्मा, सुनील शाक्य, देवेन्द्र सिंह गुर्जर, उदय राठौर, ब्रजेश शर्मा, दिनेश राठौर, रामबीर कुशवाह, जयदीप गुर्जर, रामवेद रावत,सुनील कुमार, राजेश कुमार सैनी, आशुतोष शर्मा, संजय कुमार, सुनील भार्गव, निर्मला तिवारी, सविता तोमर, रविशंकर शर्मा, संदीप शर्मा, नबल किशोर, ज्ञानसिंह यादव, विन्देश्वर भगत,अवधेश कुमार, प्रदीप विजयवर्गीय, नागेन्द्र सिंह, दिनेश कौशल, दिनेश रावत, प्रदीप शर्मा, दिलीप सिंह, मेघसिंह, टिवंकल पविया, अखिलेश सिंह, सतेन्द्र सिंह, लोकेन्द्र सिह,मो० जाहिद, अखलेन्द्र राजावत,जगदीश मांझी, धर्मेन्द्र कुमार शामिल है।

24 पुलिसकर्मियों का डिमोशन

इस प्रमोशन लिस्ट में 24 पुलिसकर्मियों का डिमोशन भी हो गया है। बताया जा रहा है कि प्रमोशन की पात्रता रखने वाले सभी पुलिसकर्मियों के सर्विस रिकॉर्ड को चैक किया गया। इस दौरान कार्यवाहक प्रधान आरक्षक बनकर पुलिस विभाग में काम कर रहे 24 पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच लंबित होने सहित अन्य कई ऐसे कारण भी पाए गए,जिसके चलते यह कार्यवाहक प्रधान आरक्षक अनफिट हो गए है। इसलिए 24 पुलिसकर्मियों का डिमोशन हो गया है। अब ये पुलिसकर्मी दीवान की जगह वापस सिपाही कहलाएंगे और उनके बाजु पर लगी फीती भी हट जाएगी। जिससे इन पुलिसकर्मियों में मायूसी छा गई है।

पहले चूके 14 आरक्षक अब बन पाए प्रधान आरक्षक

इस प्रमोशन लिस्ट में 14 आरक्षक ऐसे भी शामिल है। जो अब जाकर प्रधान आरक्षक बन गए है। बता दें कि जिस समय पुलिसकर्मियों को कार्यवाहक के रूप में प्रधान आरक्षक का प्रभार दिया गया था,उस समय इन पुलिसकर्मियों को किन्ही कारणों के चलते कार्यवाहक प्रधान आरक्षक की जिम्मेदारी नहीं मिल पाई थी,इसलिए उनमें मायूसी छाई हुई थी,मगर इस प्रमोशन लिस्ट में छूटे 14 पुलिसकर्मियों को शामिल करते हुए प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नति दे दी गई है। इनमें सुदीप पाण्डे, सुरेन्द्र सिंह, मोहन राजपूत, धर्मेन्द्र दौहरे, गिरवर कुशवाह, बारेलाल, कहार सिंह, राकेश मांझी, भारत भिलाला, भूपेन्द्र सिंह, दिलीप मंडलोई, हेमराज भिलाला, लखन अखण्डे, मदन पटेरिया शामिल है।

चंबल नहर में पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसानों ने ढोटी में किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

ग्राम ढोटी स्थित चंबल मुख्य दाहिनी नहर पर सोमवार को क्षेत्र के किसानों ने कोटा बैराज से तत्काल पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक पांच घंटे धरना-प्रदर्शन किया। किसान नेता राधेश्याम मीणा मूंड़ला ने बताया कि जिले में पर्याप्त वर्षा नहीं होने तथा जर्जर बिजली व्यवस्था के कारण खरीफ की मुख्य फसल धान सहित अन्य फसलों की बुवाई और रोपाई प्रभावित हो रही है। जिन किसानों ने धान की रोपाई कर दी है, उनकी फसल सूखने की स्थिति में पहुंच गई है, जबकि सोयाबीन सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को कलेक्ट्रेट श्योपुर में धरना प्रदर्शन करके ज्ञापन सौंपकर चंबल मुख्य दाहिनी नहर में कोटा बैराज से पानी छोड़े जाने की मांग की गई थी, लेकिन अब तक पानी नहीं छोड़ा गया। जबकि गांधी सागर बांध से राजस्थान के बूंदी एवं कोटा जिले के किसानों के लिए पानी छोड़ा जा चुका है। किसानों ने इसे मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के किसानों के साथ अन्याय और भेदभाव बताया। धरना स्थल पर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री चैतन्य चैहान पहुंचे और किसानों को बताया कि जलसंसाधन विभाग द्वारा 10 जुलाई एवं 13 जुलाई को कलेक्टर के माध्यम से शासन को चंबल मुख्य दाहिनी नहर में पानी छोड़े जाने संबंधी पत्र भेजे जा चुके हैं तथा शीघ्र पानी उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विभाग द्वारा भेजे गए दोनों पत्र किसानों के समक्ष प्रस्तुत किए। इस दौरान पूर्व विधायक बृजराज सिंह चैहान भी धरना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने किसानों से चर्चा कर सिंचाई मंत्री तुलसी सिलावट एवं जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से दूरभाष पर बात कर तत्काल पानी छोड़े जाने की मांग रखी। किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कार्यपालन यंत्री चैतन्य चैहान को सौंपते हुए चंबल मुख्य दाहिनी नहर में तत्काल पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की।

भाजपा की सरकार में हर गरीब के कल्याण की चिंता:भूषण

श्योपुर। भाजपा जिला कार्यालय पर सोमवार को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की जिला बैठक आयोजित की गई जिसमें जिलेभर के अनुसूचित जनजाती मोर्चा के कार्यकर्ताओं को भाजपा की केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को जनजन तक पहुंचाने का आव्हान किया गया। इस दौरान बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महावीर सिंह सिसौदिया, अजजा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष मोहर सिंह आदिवासी, अजजा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कल सिंह पटेलिया, भाजपा जिला महामंत्री संजय अकोदिया, कराहल मंडल अध्यक्ष श्री हरनाथ देवरिया, पार्षद नत्थीबाई, जनपद सदस्य हरिओम लांगुरिया सहित बडी संख्या में मोर्चा कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के मिशन को लेकर भाजपा कार्य करती है आज भारतीय जनता पार्टी की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं से सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं भारतीय जनता पार्टी ने सदैव आदिवासी वर्ग की चिंता की है तथा उनके उत्थान के प्रयास भी किया जा रहे हैं। बैठक को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महावीर सिंह सिसोदिया,अनुसूचित जनजाति मोर्चे के प्रदेश कार्य समिति के सदस्य कल सिंह पटेलिया ने भी संबोधित किया बैठक का संचालन मंडल अध्यक्ष हरनाथ देवरिया ने किया।

खबर संक्षेप

करंट लगने से मौत

अशोकनगर। जिले के सेहराई थाने के अंतर्गत ग्राम पाली निवासी बुंदेल सिंह पुत्र आशाराम यादव उम्र 35 साल को अपने घर के पीछे बाड़े में करंट लग गया था। जिसके बाद उसे मुंगावली अस्पताल में उपचार के लिए ले जाया गया था, जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई, जिस पर से पुलिस ने मर्ग का मामला दर्ज किया है।

मारपीट की घटनाओं के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कईं मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पठार मोहल्ला निवासी देवेन्द्र सेन ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी ओमकार पाल ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गा कॉलोनी अशोकनगर निवासी उदयप्रताप रघुवंशी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी कैलाश, सिरनाम और फूलाबाई अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत पथरिया निवासी सुनील अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी धर्मेन्द्र और नंदराम अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ईन्दोर निवासी दीपक यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सुखलाल, शिवनंदन ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मन्हेटी निवासी राधा आदिवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी नवस्था और मोहरसिंह आदिवासी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कदवाया थाना क्षेत्र के अंतर्गत कदवाया निवासी शिवनारायण व्यास ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी मदन, रचना और राधा केवट ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

11 वाहनों की चेकिंग कर समझौता शुल्क राशि वसूली

अशोकनगर। शनिवार को जिला परिवहन अधिकारी द्वारा अशोकनगर जिले की तहसील चंदेरी में 11 वाहनों के दस्तावेज चैक किये गए। चेकिंग के दौरान वाहन के दस्तावेजों एवं वाहनों में कमी पाये जाने पर वाहनों पर चालानी कार्यवाही की जाकर समझौता शुल्क की राशि 30500 वसूल किया गया। उक्त चैकिंग के दौरान वाहनों में बिना लाइसेंस, बिना फिटनेस, अग्निशमन यंत्र/फस्टऐड बॉक्स/ निर्गम द्वार होने पर नियमानुसार चालानी कार्यवाही की गई।

शिक्षा अधिकारी द्वारा कईं स्कूलों का निरीक्षण किया गया

अशोकनगर। जिला शिक्षा अधिकारी अशोकनगर मधु शर्मा एवं सहायक संचालक एनिश जैन द्वारा संयुक्त रूप से पी.एम. श्री शास. मा.वि. कचनार, शास. उ.मा.वि. कचनार, सांदीपनि शास. मॉडल उ.मा.वि. अशोकनगर एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय छात्रावास अशोकनगर का निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रधानाध्यपक/प्राचार्यो को शत- प्रतिशत नामांकन पूर्ण,अपार आई.डी. बनाने, विद्यार्थियों की उपस्थिति में वृद्धि, साईकिल वितरण करने एवं विद्यालय का सुचारू रूप से संचालन करने के निर्देश दिये। विद्यार्थियों से संवाद कर लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई करने हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। डीईओ द्वारा सांदीपनि शास. मॉडल उ.मा.वि. अशोकनगर में सांदीपनि महोत्सव पूर्व तैयारी का जायजा लिया गया एवं तैयारी पूर्ण करने हेतु प्राचार्य को निर्देश दिये।

पानी की टंकी गिरने से चौकीदार की मौत

अशोकनगर। जिला मुख्यालय के समीप नगेश्री गांव में निर्माणाधीन गौशाला की पानी की टंकी गिरने से चैकीदार कमल सिंह अहिरवार की मौत हो गई। बताया गया है कि पानी की टंकी के नीचे होदी का निर्माण किया जा रहा था। उसी समय अन्य मजदूर भी काम कर रहे थे तभी टंकी की दीवार का हिस्सा भरभरा कर गिर गया, जिससे कमल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

---

3 करोड़ 42 लाख रुपए की लागत से होगा नव निर्माण

25 साल बाद अशोकनगर के संजय स्टेडियम के खुलेंगे भाग्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

शहर के संजय स्टेडियम के बाद के भाग्य अब 25 साल बाद खुलने जा रहे हैं इस स्टेडियम का नव निर्माण किया जा रहा है जिस पर 3 करोड़ 42 लाख रुपए खर्च होंगे। अब खिलाड़ी दिन में खेलने के साथ रात में भी खेल सकेंगे। यह अशोकनगर जिले का पहला खेल स्टेडियम होगा जिसमें रात में भी खेल सुविधाएं उपलब्ध होगी।

अशोकनगर जिला मुख्यालय पर इस स्टेडियम का निर्माण सन 2000 में किया गया था भारत सरकार की आईडीएसएमटी योजना के अंतर्गत जिसमें छोटे और मझोले शहरों का विस्तार किया जा जाना था उस योजना के अंतर्गत अशोकनगर में एक संजय स्टेडियम का निर्माण और शॉपिंग कांप्लेक्स की स्वीकृति प्रदान की गई थी। इस योजना के अंतर्गत अशोकनगर में संजय स्टेडियम का निर्माण हुआ और स्टेडियम के बाहर दुकानों का निर्माण किया गया। इस योजना के पीछे शासन की मंशा यह थी कि इन दुकानों से आने वाले किराए के द्वारा संजय स्टेडियम का रखरखाव किया जा सके। लेकिन संजय स्टेडियम खेल मैदान बनकर रह गया। सुविधाओं का इंतजाम यहां न होने से खिलाड़ी पर्याप्त खेलों का प्रशिक्षण प्राप्त नहीं कर पा रहे थे।

यह संजय स्टेडियम कईं वर्षों से जिन समस्याओं से गिरा था उनमें एक तो सबसे बड़ी समस्या यह थी कि यहां मैदान अच्छा नहीं था इसे समतल करने का कोई प्रयास नहीं हुआ और अगर हुआ भी तो वर्षा काल का पानी स्टेडियम में भर जाने के कारण यह मैदान हर बार खराब हो जाया करता था। यहां आसामाजिक तत्वों का जमावड़ा पूरे समय लगा रहता है जिसके कारण खिलाड़ियों की सुरक्षा पर सवाल भी खड़े होते रहे। अशोकनगर के संजय स्टेडियम को संवारने के प्रयास नहीं हुए नगर पालिका में परिषदें आती रहीं लेकिन उन्होंने स्टेडियम को बेहतर स्वरूप देने की दिशा में कोई काम नहीं किया। हालांकि पहले की परिषद ने यह काम जरूर किया कि यहां एक जिम की सुविधा उपलब्ध कराई गई और एक बैडमिंटन हॉल का निर्माण किया गया। लेकिन स्टेडियम में कोई सुधार नहीं आया।

अब वर्तमान में नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया द्वारा अशोकनगर संजय स्टेडियम का कायाकल्प किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत संजय स्टेडियम में सबसे पहले नगर पालिका ने यह कार्य किया कि यहां वर्षा काल में भर जाने वाले पानी की निकासी के बेहतर प्रबंध किए गए। ताकि पानी स्टेडियम का मैदान को खराब न कर सके। पानी की निकासी के प्रबंध होने के बाद अब यहां के मैदान को समतल करने के साथ बेहतर किया जा रहा है ताकि खेल सुविधाएं पूरे वर्ष खेल मैदान पर आयोजित हो सके हो सकें। नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया ने बताया कि स्टेडियम में सबसे पहले अशोकनगर के खिलाड़ियों के लिए एक वुशू हॉल का निर्माण किया जा रहा है जिसमें खिलाड़ी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे और तैयारी कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर आ जा सकेंगे। शहर में इस तरह के वुशू खेल के लिए हमेशा कमी महसूस की जा रही थी यह वही वुशू खेल है जिसमें अशोकनगर के खिलाड़ियों को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा खेल अलंकरण प्रदान किए गए हैं। चार खिलाड़ियों को एकलव्य अवार्ड, एक खिलाड़ी को विक्रम अवार्ड और बृजेश धुर्रेटे वुशू कोच को विश्वामित्र अवार्ड प्राप्त हो चुका है। लेकिन खेल मंत्रालय द्वारा अभी तक 6 अवार्ड अशोकनगर जैसे छोटे से जिले की झोली में आने के बाद इन खिलाड़ियों को तैयार करने में अपनी भूमिका निभाने वाले दया सिंह संधू को अभी तक खेल अचीवमेंट अवार्ड प्रदान नहीं किया गया है इस खेल अचीवमेंट अवार्ड के लिए दयासिंह संधू असली हकदार हैं।

वह अशोकनगर जिला मुख्यालय पर 20 साल से जिला वुशू संघ चलाते आ रहे हैं उनके द्वारा बच्चों को तैयार करने में जो महती भूमिका निभाई जा रही है उसे ध्यान रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष मनोरिया द्वारा वुशू खेल के लिए हॉल का निर्माण कराया जा रहा है और खेल मंत्रालय से मांग भी की गई है कि अशोकनगर के दया सिंह संधू को खेल अचीवमेंट अवार्ड वर्ष 2025-26 दान किया जाए।

इसी के साथ अशोकनगर के संजय स्टेडियम में अब खिलाड़ियों को रात्रि में भी खेल सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। इस हेतु संजय स्टेडियम में आकर्षण लाइट लगाई जा रही है जिससे खिलाड़ियों को रात में भी दिन का नजारा दिखाई पड़ेगा और इस लाइट की रोशनी में आसानी से खेलों का प्रदर्शन कर सकेगें। यह सुविधा जल्दी उपलब्ध होने वाली है। इसके अलावा खेल मैदान को बेहतर बनाने के लिए यहां पूरे मैदान में घास लगाई जा रही है। वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद यह काम कराया जाएगा। जिससे खिलाड़ी प्राकृतिक हरियाली के बीच खेल मैदान पर अपने खेल का आनंद ले सकेंगे। पहले नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया है जिनके द्वारा इस नगर पालिका के संजय स्टेडियम पर ध्यान दिया गया है और खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य को लेकर यह सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें एक पवेलियन का निर्माण किया जा रहा है जो लाइट लगाई जाएंगीं उनकी संख्या 6 है।

तीन आरोपी किए गिरफ्तार

चंदेरी पुलिस की बड़ी सफलता चोरी की वारदात का खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

अशोकनगर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चंदेरी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए विक्रमपुर नावनी तिराहे के पास हुई चोरी की वारदात का पर्दाफाश कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी गया करीब 50,000 रुपये कीमत का सोने का मंगलसूत्र और मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है।

यह था पूरा मामला

फरियादी कल्ला यादव (42 वर्ष), निवासी म्यूजियम के पास चंदेरी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 1 मई 2026 की रात करीब 7.30 से 8.00 बजे के बीच वह अपनी पत्नी सुनीता बाई के साथ मोटरसाइकिल से अपने गांव कर्र पिपरई जा रहे थे। रास्ते में विक्रमपुर नावनी तिराहे पर बाथरूम के लिए रुकने के दौरान, उसकी पत्नी ने अपना हाथ-पर्स जिसमें सोने का मंगलसूत्र और मोबाइल रखा था मोटरसाइकिल पर रख दिया था। इसी बीच अज्ञात चोर मौका पाकर पर्स उड़ा ले गए। पुलिस ने शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध कर मामले को जांच में लिया था।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

लक्ष्मण लोधी (22 वर्ष), पिता सिरनाम सिंह लोधी कृ निवासी किरोला, मुंगावली।रोहित लोधी (24 वर्ष), पिता लक्ष्मण लोधी कृ निवासी किरोला, मुंगावली। राजकुमार लोधी (23 वर्ष), पिता बादल सिंह लोधी कृ निवासी किरोला, मुंगावली। इस चोरी के खुलासे में चंदेरी थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत यादव, उनि. जूली रघुवंशी (चैकी प्रभारी विक्रमपुर) सहित थाना व चैकी के अन्य पुलिसकर्मियों की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

पुलिस की घेराबंदी और आरोपियों की गिरफ्तारी

अति. पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं एसडीओपी महेश शर्मा के मार्गदर्शन में चंदेरी थाना प्रभारी प्रशांत यादव और चैकी विक्रमपुर प्रभारी उपनिरीक्षक जूली रघुवंशी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर की सटीक सूचनारू मामले की विवेचना कर रहीं उपनिरीक्षक जूली रघुवंशी ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से किरोला थाना मुंगावली निवासी तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया। पुलिसिया हिकमत अमली से पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपने एक अन्य साथी किशोर लोधी के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर 50,000 की कीमत का सोने का मंगलसूत्र और मोबाइल जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है, वहीं एक अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस सख्त

चंदेरी थाने में स्कूल वाहनों की चेकिंग कई वाहनों पर हुई चालानी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार स्थानीय चंदेरी थाना परिसर में नगर के विभिन्न स्कूलों से जुड़े समस्त स्कूली वाहनों को जांच के लिए बुलाया गया। प्रदेश में स्कूली वाहनों से जुड़ी लगातार बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी कड़ी में चंदेरी थाना प्रभारी प्रशांत यादव के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा सभी वाहनों की सघन चेकिंग की गई।

दस्तावेजों और सुरक्षा मानकों की हुई जांच

थाना परिसर में एकत्रित बसों, वैन और ऑटो चालकों व मालिकों से पुलिस ने वाहनों के जरूरी दस्तावेजों के संबंध में कड़ी पूछताछ की। जांच के दौरान वाहनों के फिटनेस सर्टिफिकेट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र और परमिट की बारीकी से जांच की गई। चेकिंग के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई। चंदेरी नगर में कई स्कूली वाहन ऐसे पाए गए जो बिना वैध परमिट के धड़ल्ले से चल रहे थे। इसके अलावा कई वाहनों के चालक निर्धारित ड्रेस कोड में नहीं मिले। थाना प्रभारी प्रशांत यादव ने कहा बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जो वाहन नियमों के विरुद्ध चलते पाए गए हैं, उन पर चालानी कार्रवाई की गई है। सभी स्कूल प्रबंधन और वाहन मालिकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे जल्द से जल्द सभी कमियां पूरी करें, अन्यथा भविष्य में वाहन जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

अभिभावकों ने की पुलिस की पहल की सराहना

सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और बच्चों के सुरक्षित सफर को यकीनी बनाने के लिए चंदेरी पुलिस द्वारा की गई इस कथित सख्त कार्रवाई की नगर के प्रबुद्ध नागरिकों और अभिभावकों ने सराहना की है।

स्कूली बच्चों की सेहत से खिलवाड़? क्षमता से कई गुना भारी बस्तों का बोझ जिम्मेदार विभाग मौन

अशोकनगर। जिले के कई निजी स्कूलों में बच्चों के बस्तों का बढ़ता वजन अब गंभीर चिंता का विषय बन गया है। शासन की स्पष्ट गाइडलाइन होने के बावजूद कई विद्यालयों में छात्र-छात्राएं क्षमता से कई गुना अधिक वजन वाले बस्ते ढोने को मजबूर हैं। सवाल यह है कि जब नियम बने हुए हैं, तो उनका पालन कौन कराएगा? जानकारी के अनुसार अलग-अलग स्कूलों में बच्चों के बस्तों का वजन निर्धारित सीमा से कहीं अधिक पाया गया। कई छात्रों के बैग 20 किलो से लेकर 40 किलो तक बताए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कम उम्र में इतना अधिक वजन उठाने से बच्चों की रीढ़, कंधों और शारीरिक विकास पर गंभीर असर पड़ सकता है।
सबसे बड़ा सवाल शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर खड़ा हो रहा है। क्या विभाग ने कभी स्कूलों में बस्तों का वजन जांचने के लिए अभियान चलाया? क्या किसी स्कूल के खिलाफ कार्रवाई हुई? यदि नहीं, तो आखिर बच्चों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी कौन लेगा? अभिभावकों का कहना है कि स्कूलों में अनावश्यक किताबें और कॉपियां प्रतिदिन लाने के निर्देश दिए जाते हैं, जिससे बच्चों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है। शासन की गाइडलाइन केवल कागजों तक सीमित नजर आ रही है।
उठते बड़े सवाल क्या जिले के निजी और सरकारी स्कूलों में बस्तों का वजन कभी जांचा गया?गाइडलाइन का पालन नहीं करने वाले स्कूलों पर क्या कार्रवाई हुई? बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर शिक्षा विभाग कब जागेगा?क्या जिला शिक्षा अधिकारी विशेष जांच अभियान चलाएंगे?यदि समय रहते इस समस्या पर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में हजारों बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। अब देखना होगा कि शिक्षा विभाग इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है।

जेल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, बंदियों का उत्साह बढ़ाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में जिला जेल, अशोकनगर में बंदियों के मनोरंजन एवं पुनर्वास की भावना को बढ़ावा देने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश चंद्र शर्मा तथा कलेक्टर साकेत मालवीय विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जेल अधीक्षक ललित दीक्षित ने किया। अधिकारियों ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में जेल में निरुद्ध बंदियों द्वारा देशभक्ति गीत, भजन, लोकनृत्य एवं नाटक की प्रस्तुतियां दी गईं। बंदियों की प्रतिभा को देखकर उपस्थित सभी अतिथि एवं अधिकारीगण अभिभूत हुए। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा' ने अपने उद्बोधन में कहा कि जेल केवल सजा का स्थान नहीं है, बल्कि यह सुधार एवं पुनर्वास का केंद्र भी है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधियों से बंदियों में सकारात्मक सोच एवं आत्मविश्वास का विकास होता है। विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता एवं उनके अधिकारों के प्रति निरंतर जागरूक किया जा रहा है।

प्रशासन का उददेश्य बंदियों को मुख्यधारा से जोड़ना है-कलेक्टर

कलेक्टर साकेत मालवीय ने कहा कि सभी जन इस संसार में बंदी के तौर पर है और सबको जिस जगह है बहन अपना शत प्रतिशत दिया जाना चाहिए, साथ ही सुख में अहंकार नहीं पनपना चाहिए न ही दुख में निराशा लानी चाहिए, जिला प्रशासन का उद्देश्य बंदियों को मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने बंदियों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से तनाव कम होता है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। प्रशासन द्वारा जेल में शिक्षा, कौशल विकास एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा।

अधिकारियों द्वारा जेल का निरीक्षण कर बंदियों से चर्चा की गई

कार्यक्रम के दौरान दोनों अधिकारियों ने जेल का निरीक्षण भी किया तथा बंदियों से सीधी चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देश दिए कि बंदियों के लिए पुस्तकालय, खेल एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण की सुविधाएं और बेहतर की जाएं। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी, जिला जेल के अधिकारी- कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में बंदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी बंदियों को फल एवं मिठाई वितरित की गई।

मोटे कमीशन के लिए गरीब जनता की जेब पर सरेआम सर्जिकल स्ट्राइक

मरीजों की लाचारी पर डॉक्टरों का डाका, बिना समझे लिख रहे महंगी जांचें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

चंदेरी नगर का सिविल अस्पताल इन दिनों अपनी बदइंतजामी और डॉक्टरों की मनमर्जी को लेकर एक बार फिर सुर्खियों में है। अस्पताल में इलाज कराने आ रहे मरीजों, विशेषकर मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों के साथ डॉक्टरों द्वारा आर्थिक शोषण का खेल खेला जा रहा है। स्थिति यह है कि डॉक्टर मरीजों की बीमारी से ज्यादा उनकी हैसियत देखकर तीन से चार हजार रुपये तक की महंगी दवाइयां लिख रहे हैं।

बीमारी का पता नहीं फिर भी महंगी जांचें

अस्पताल में आने वाले मरीजों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कई डॉक्टर अपनी विशेषज्ञता से बाहर जाकर भी लीवर और किडनी जैसी गंभीर समस्याओं की महंगी जांचें लिख रहे हैं। इसके पीछे का मुख्य कारण डॉक्टरों और निजी पैथोलॉजी संचालकों के बीच का कथित कमीशन नेटवर्क बताया जा रहा है। डॉक्टर मरीजों को सीधे तौर पर अपनी चुनिंदा पैथोलॉजी पर ही जांच कराने का निर्देश देते हैं ताकि उनका मोटा कमीशन सुरक्षित रह सके।

फिक्स मेडिकल स्टोर से ही दवा लेने का दबाव

यही हाल दवाइयों का भी है। डॉक्टरों द्वारा पर्चे पर ऐसी दवाइयां लिखी जा रही हैं, जो केवल उनके द्वारा तय किए गए चुनिंदा मेडिकल स्टोरों पर ही मिलती हैं। सूत्रों के मुताबिक, यदि कोई मरीज गलती से किसी अन्य मेडिकल स्टोर से सस्ती या जेनेरिक दवा ले आता है, तो डॉक्टर उस दवा को वापस करवा देते हैं और मरीज को डांटकर भगा दिया जाता है। चंदेरी सिविल अस्पताल के आसपास स्थिति यह है कि जो दवा आम दुकानों पर कम दामों में मिल सकती है, डॉक्टरों के शिफक्सश मेडिकल स्टोर्स पर वही दवा दोगुनी कीमतों पर बेची जा रही है।

मरीजों का दर्द इलाज बंद होने के डर से नहीं कर पाते शिकायत

अस्पताल में इलाज कराने आए ग्रामीणों का कहना है कि वे डॉक्टरों की इस तानाशाही के खिलाफ शिकायत करने से भी कतराते हैं। उन्हें डर रहता है कि यदि उन्होंने आवाज उठाई, तो डॉक्टर उनका इलाज करना बंद कर देंगे या उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर देंगे। इसी मजबूरी का फायदा उठाकर डॉक्टर मरीजों की जेब पर सरेआम डाका डाल रहे हैं।

स्थानीय प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग से कार्रवाई की मांग

चंदेरी के जागरूक नागरिकों और मरीजों ने जिला चिकित्सा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों तथा स्थानीय प्रशासन से इस गंभीर मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि डॉक्टरों की इस मनमर्जी और कमीशनखोरी पर लगाम लगाई जाए, डॉक्टरों द्वारा लिखे जाने वाले पर्चों की औचक जांच हो, और दोषियों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए ताकि चंदेरी के गरीब मरीजों को सही और किफायती इलाज मिल सके।

हजारों खर्च करने के बाद भी नहीं मिल रहा आराम

गंभीर बात यह है कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोग कर्ज लेकर या अपनी जमापूंजी लगाकर 3 से 4 हजार रुपये की दवाइयां खरीद तो लेते हैं, लेकिन इसके बावजूद मरीजों के स्वास्थ्य में कोई सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। अस्पताल केवल चर्चाओं और विवादों का केंद्र बनकर रह गया है, जहां मरीजों की सेवा के बजाय व्यापारिक साठगांठ को बढ़ावा दिया जा रहा है।